त्रिकाल दृष्टि

हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

रजि. नं.- MPHIN - 31958

सच का दर्पण

वर्ष-1 अंक-7, भोपाल, 1 से 15 फरवरी 2016 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2 रूपये www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

विधानसभा पहुंच कर सीएम, ने पेश किया यूपी का बजट

लखनऊ। मुख्यमंत्री अखिलेश यादव 12 फरवरी को 12.20 मिनट पर बतौर वित्त मंत्री पांचवां बजट पेश करेंगे। इन चार सालों में बजट का आकार बढ़कर ड्योढ़ा हो गया है। सूबे के इतिहास में संभवतः पहली बार किसी सरकार ने दलीय महापुरुषों के स्थान पर दल के ही नाम से योजनाओं और परियोजनाओं की शुरुआत की है। अब मुख्यमंत्री जब अपना पांचवां बजट पेश किया तो इसमें अगले चुनाव की रणनीति साफ नजर आएगी। मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक जून 2012 को अपना पहला और वित्त वर्ष 2012-13 का आम बजट पेश किया था, तब इसका आकार 1,94,327.28 करोड़ था। 2015-16 में यह 3,02,687.32 करोड़ था। 2016-17 का बजट अब तक का सबसे बड़ा बजट साबित होने वाला है। इसके साढ़े तीन लाख करोड़ के आसपास रहने की उम्मीद है। इस बीच सरकार ने कई बड़ी योजनाएं शुरू कीं।

आप नेता कुमार विश्वास की बर्थ-डे पार्टी में नहीं आए केजरीवाल

नई दिल्ली। कुमार विश्वास के जन्मदिन पर हुए जश्न में शामिल मेहमानों की सूची ने सियासी गलियारों में हलचल बढ़ा दी है। विश्वास की पार्टी में दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल की गैरमौजूदगी और कई दिग्गज बीजेपी नेताओं की मौजूदगी ने नये घटनाक्रम के संकेत दिये हैं। नहीं आए अरविंद केजरीवाल विश्वास की इस पार्टी में प्रधानमंत्री मोदी की 'गुडबुक' में शुमार राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल, आरएसएस के दिग्गज स्वयंसेवक राम लाल, केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद, बीजेपी नेता ओम माथुर, मनोज तिवारी, विजय गोयल और सुधांशु त्रिवेदी ने भी शिरकत की। इनके अलावा कमल नाथ, नवीन जिंदल और राजीव शुक्ला भी मौजूद थे। हालांकि पार्टी में केजरीवाल तो नहीं आए लेकिन उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया समेत दिल्ली सरकार की पूरी कैबिनेट वहां मौजूद थी।

दिल्ली के JNU में एक कार्यक्रम को लेकर तनाव

दिल्ली। सिंह ने यहां संवाददाताओं को बताया, 'यदि कोई भी भारत-विरोधी नारे लगाता है, देश की एकता और अखंडता पर सवाल उठाने की कोशिश करता है तो उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।' गृहमंत्री ने कहा कि उन्होंने दिल्ली पुलिस से कहा है कि वह हाल ही में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय परिसर में भारत-विरोधी गतिविधियों में कथित तौर पर लिप्त रहे लोगों के खिलाफ 'कड़े से कड़ा कदम' उठाए। मंगलवार को जेएनयू परिसर में छात्रों के एक समूह ने एक समारोह आयोजित किया था और संसद पर हमले के दोषी अफजल गुरू को वर्ष 2013 में फांसी दिए जाने के मुद्दे पर सरकार एवं देश के खिलाफ कथित तौर पर नारे लगाए थे।

सिद्धिविनायक से खरीदे थे 20 लाल-पीले धागे, यही पहनकर मुंबई आए थे हमलावर : हेडली

मुंबई। मुंबई हमले के मामले में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये गवाही दे रहे डेविड हेडली ने खुलासा किया है कि 26 नवंबर 2008 को मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर पर भी हमले की लश्कर की योजना थी। इसके लिए हेडली को खासतौर पर रेकी के लिए भी कहा गया था, लेकिन हेडली ने आज कोर्ट को बताया कि उसने आखिरी वक्त में लश्कर के आकाओं को सिद्धिविनायक मंदिर पर हमला नहीं करने को कहा, क्योंकि मंदिर की कड़ी सुरक्षा तो थी ही, साथ ही इस हमले को अंजाम देने के लिए मुंबई के दक्षिण में स्थित नौसेना बेस के पास से गुजरना पड़ता जो चुनौतीपूर्ण था।

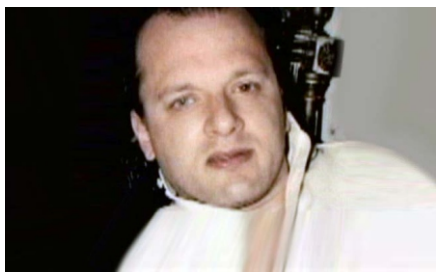

हमलावरों के लिए खरीदे थे लाल-पीले धागे

ऐसे में सिद्धिविनायक पर हमले को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत लगानी पड़ती। हेडली ने बताया कि पहले की प्लानिंग के तहत उसने सिद्धिविनायक से 15-20 लाल-पीले धागे खरीदे थे ताकि हमलावर उसे अपनी कलाई में बांधकर भारतीय लग सकें। पाकिस्तान लौटकर उसने वे सारे धागे साजिद मीर को देकर अपना प्लान बताया था और मीर को यह प्लान पसंद भी आया था। बाद में मीर ने हेडली को बताया भी था कि हमलावर यही धागे पहनकर मुंबई गए थे।

मुंबई एयरपोर्ट को हमले का ठिकाना न बनाने से मेजर इकबाल खफा था

पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी डेविड हेडली ने एक विशेष अदालत को आज बताया कि लश्कर इस बात को लेकर नाखुश था कि 26/11 आतंकवादी हमलों के निशाने के तौर पर मुंबई हवाईअड्डे का चयन नहीं किया गया।

लश्कर-ए-तैयबा के नेता जकी-उर-रहमान लखवी ने इस बात पर जोर दिया कि 26-11 हमलों की निगरानी उचित तरीके से की जानी चाहिए क्योंकि यह भारत से उन सभी बम विस्फोटों का बदला लेने का मौका है जो भारत ने अतीत में पाकिस्तान में किए हैं। लश्कर ने चबाड हाउस का चयन इसलिए किया क्योंकि यह एक अंतरराष्ट्रीय स्थल था जहां यहूदी और इस्राइली लोग रह रहे थे।

शिवसेना के एक सदस्य के साथ संबंध विकसित करना चाहता था

हेडली ने अदालत को बताया कि वह शिवसेना के एक सदस्य के साथ निकट संबंध विकसित करना चाहता था क्योंकि उसे लगा था कि लश्कर की भविष्य में या तो शिवसेना भवन पर हमला करने या इसके प्रमुख की हत्या करने में रुचि होगी।

इशरत को बताया लश्कर की आतंकवादी

डेविड हेडली की गवाही ने राजनीति फिर गर्मा दी है। गृहमंत्रालय कह रहा है कि वह तो इस बात पर कायम रहा है कि इशरत लश्कर की ऑपरेटिव थी। साथ ही वह दावा कर रहा है कि पिछली सरकार के गृहमंत्री पी चिंदबरम नें एनआईए की एफिडेविट की फाइलों से छेड़छाड़ करके इशरत से जुड़ी जानकारियां हटवा दी थीं।

लांस नायक हनुमंतप्पा का आज पैतृक गांव में होगा अंतिम संस्कार

कर्नाटक। सियाचिन में 6 दिनों तक बर्फ के नीचे दबे रहकर जिंदा बचने वाले लांस नायक हनुमंतप्पा ने गुरुवार को दिल्ली के आर.आर. अस्पताल में आखिरी सांस ली. देर रात उनका शव कर्नाटक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में रखा गया था. हुबली एयरपोर्ट पर कर्नाटक के सीएम सिद्दारमैया ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार सुबह 7 बजे से 10 बजे के बीच उनका पार्थिव शरीर हुबली स्थित नेहरू स्टेडियम में अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। उसके बाद 10 बजे उनका पार्थिव शरीर धारवाड़ स्थित उनके गांव ले जाया जाएगा. गांव में अंतिम दर्शन के बाद सूर्यास्त से पहले पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। तीन दिन तक दिल्ली के आर.आर. अस्पताल में भर्ती रहे हनुमंतप्पा के शरीर के कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। उन्हें लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर रखा गया था। गुरुवार को 11 बजकर 45 मिनट पर उन्होंने आखिरी सांस ली। उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए दिल्ली में बरार स्क्वायर पर रखा गया था। जहां तीनों सेना प्रमुखों और रक्षा मंत्री मनोहर पर्रिकर ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

दीप्ति सरना केसः पुलिस को चाहिए कई सवालों के जवाब

गाजियाबाद। के वैशाली मेट्रो स्टेशन से ऑटो में सवार होने के बाद लापता हुई स्नैपडील की कर्मचारी दीप्ति अपने घर तो लौट आई. लेकिन अभी ऐसे कई सवाल हैं जिनके जवाब उसे देने हैं. उधर, पुलिस का कहना है कि इस मामले में लड़की के परिवार वाले पुलिस से कुछ छिपा रहे हैं। पानीपत थी लोकेशन स्नैपडील की लापता कर्मचारी दीप्ति सरना नाटकीय ढंग से शुक्रवार की सुबह अपने घर लौट आई. उससे पहले उस लड़की ने खुद फोन करके अपने परिवार से संपर्क किया था. पुलिस ने उसकी लोकेशन ट्रेस की तो पता चला कि वह पानीपत में थी। कुछ छिपा रही है दीप्ति घर के आने के बाद से लड़की ने चुप्पी साध रखी है।

सिंहस्थ में बंदूक लेकर शहर में नहीं कर सकेंगे प्रवेश

उज्जैन। सिंहस्थ के दौरान शहर में कोई भी व्यक्ति शस्त्र लेकर शहर में प्रवेश नहीं कर सकेगा। एसपी एमएस वर्मा ने शहर में धारा 144 लागू करने के लिए बुधवार को कलेक्टर कवींद्र कियावत को पत्र लिखा है। शहरी लोगों के लाइसेंसी हथियार भी जमा करवाए जाएंगे। कुछ दिन पूर्व संतों में हुए विवाद में एक-दूसरे पर बंदूक तान ली गई थी। इसके बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आया और हथियारों पर रोक के लिए कार्रवाई शुरू की।

सिंहस्थ में किसी भी अप्रिय स्थिति को रोकने के लिए अब पुलिस प्रशासन हरकत में आया है।

विवाद के दौरान हथियारों का उपयोग न हो इसके लिए रोक की तैयारी कर ली है। बुधवार को एसपी एमएस वर्मा ने कलेक्टर कवींद्र कियावत को पत्र लिखा है। इसमें शहर में धारा 144 लागू करने की मांग की है। इसके तहत कोई भी व्यक्ति शस्त्र लेकर शहर में प्रवेश नहीं कर सकेगा। लाइसेंस होने के बाद भी उसके हथियार जमा करवा लिए जाएंगे। इसके अलावा शहर में जिन लोगों के पास भी लाइसेंसी हथियार हैं, उन्हें भी जमा करवाया जाएगा।

संतों के भी जमा होंगे शस्त्र

कई संतों के पास भी लाइसेंसी हथियार हैं। इन्हें भी जमा करवाने के लिए अभियान चलाया जाएगा। हालांकि जिन संतों को सरकार की ओर से सुरक्षा मिली है, उनके सुरक्षाकर्मियों के पास हथियार मौजूद रहेंगे।

जमीन नापने पहुंचे पटवारी और किसानों के बीच हुआ हंगामा

सिंहस्थ क्षेत्र में स्थित दत्त अखाड़ा की जमीन नापने को लेकर विवाद के बाद हंगामा खड़ा हो गया। एक किसान परिवार के लोगों का कहना था कि उनकी जमीन भी अखाड़े की जमीन में नापी जा रही थी। परिवार के आक्रोशित सदस्यों ने पटवारी को घेर लिया। हाथापाई की नौबत तक आ गई थी, लेकिन एक वरिष्ठ अधिकारी के निर्देश पर पटवारी नपती छोड़ वहां से चले गए। मौके पर अखाड़ा परिषद महासचिव हरिगिरिजी भी पहुंचे तो किसानों ने उनकी गाड़ी रोककर अपनी समस्या बताई।

तंत्र साधना के लिए दुनिया का पहला विश्वविद्यालय बनाने का संकल्प

आनंद अखाड़े की महामंडलेश्वर व अघोर तांत्रिक शिवानी दुर्गा ने तंत्र साधना के लिए दुनिया का पहला विश्वविद्यालय भारत में स्थापित करने का संकल्प लिया है। इस सिलसिले में वे पीएम नरेंद्र मोदी से मिलेंगी। शिकागो यूनिवर्सिटी से पराविज्ञान में पीएचडी करने वाली अघोर तांत्रिक शिवानी दुर्गा ने गुर्स्वार को नईदुनिया से चर्चा में कहा, तांत्रिकों के पास भी डिग्री और पहचान पत्र होना चाहिए, ताकि तंत्र साधना के क्षेत्र में विश्वसनीयता आ सके।

भूखंड नहीं मिलने तक डटे रहेंगे रामानंदी निर्मोही अखाड़ा के संत

रामानंदी निर्मोही अखाड़ा से जुडे संत इस बात पर अड़े हैं कि उन्हें सांदीपनि आश्रम के पास लगे भूखंड दिए जाएं। अन्य संतों का आवंटन निरस्त किया जाए। उन्होंने मेला प्रशासन को अल्टीमेटम दिया है कि जब तक भूखंड नहीं मिलते, यहीं डटे रहेंगे। अखाड़े के श्रीमहंत परमात्मादासजी ने बताया कि मेला प्रशासन ने जानकारी में लाए बगैर सांदीपनि आश्रम के पास 335/9 सहित 6 भूखंड अन्य संतों को आवंटित कर दिए गए हैं। जबकि ये संत हमारे अखाड़े के नहीं हैं।

प्रेमिका की हत्या से बड़ा अपराध उसकी कोख में पल रहे बच्चे की हत्या: कोर्ट

इंदौर। प्रेमिका की हत्या पर तो कोर्ट ने प्रेमी को सजा दी ही, लेकिन उससे भी बड़ा अपराध यह माना कि उसने गर्भ में पल रहे खुद के ही बच्चे को मौत के घाट उतार दिया। गुरुवार को ऐसे ही एक मामले में सेशन जज आरके गुप्त ने हत्यारे को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

फैसले में उन्होंने इस बात का जिक्र किया कि हत्यारे ने अजन्मे सात माह के बच्चे की भी हत्या की है इसलिए उसे 10 साल की सजा भी सुनाई जा रही है। वकीलों के मुताबिक इस केस को रेयर की श्रेणी में रखा जा सकता है। जिला कोर्ट के रूम नंबर 55 में दो साल से चल रही एक सुनवाई में गुरुवार को निर्णायक मोड़ मिला।

धार के बिल्लौर बुजुर्ग में रहने वाले मांगीलाल पिता लिंबा चौहान (28) ने प्रेमिका को मार डाला था। एजीपी संतोष चौरसिया के मुताबिक पुलिस ने 18 दिसंबर 2013 को गांव के पास ही जामनिया तालाब से युवती का शव बरामद किया था। उसे सात माह का गर्भ था। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि मांगीलाल का युवती से प्रेम संबंध था। वह गांव में कैसेट की दुकान चलता था। गर्भवती होने पर युवती ने शादी का दबाव बनाया तो मांगीलाल ने उसकी गला घोटकर हत्या की और शव तालाब में फेंक दिया।

योजना | **स्मार्ट सिटी की सफल लॉचिंग**

ढाई साल में असर दिखने का दावा

इंदौर। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के लिए चुने गए सौ शहरों के प्रतिनिधियों, 26 कंपनियों, मंत्रियों और आला अधिकारियों की मौजूदगी में इंदौर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट की लॉन्चिंग शुक्रवार को मुख्यमंत्री द्वारा की गई, महापौर ने एलान किया कि स्मार्ट सिटी के लिए न नया टैक्स लगेगा, न टैक्स बढ़ेगा। हालांकि निगमायुक्त मनीष सिंह ने कहा कि लोग बदलाव चाहते हैं और बेहतर सुविधाओं के लिए यूजर्स चार्ज भी देने को तैयार हैं।

केंद्रीय शहरी विकास मंत्री वैंकेया नायडू शुक्रवार शाम को ब्रिलियंट कन्वेशन सेंटर में प्रोजेक्ट की लॉन्चिंग की। 27 कंपनियां प्रेजेंटेशन दिया है। कन्वेंशन सेंटर के बाहर एयर कंडीशन पंडाल में बढ़ी प्रदर्शनी लगी। इसमें 70 कंपनियों के स्टॉल थे।

स्मार्ट सिटी का मतलब: निगमायुक्त के मुताबिक भारत के मायने में स्मार्ट सिटी का मतलब बेहतर नागरिक सुविधाएं, स्वच्छता, सीवरेज, ड्रेनेज सिस्टम, स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना। बेहतर ट्रांसपोर्टेशन, कनेक्टिविटी देना और सभी सेवाओं के लिए डोर स्टेप पर तकनीक की मदद से सॉल्यूशन और सुविधाएं उपलब्ध कराना है। जैसे कचरा-पेटियों पर कैमरे और आरएफआईडी से नजर रखना।

कचरा गाड़ियों पर इंटेलिजेंट कमांड सेंटर से नियंत्रण रखना। स्ट्रीट लाइटों को स्मार्ट बनाकर पर्यावरण हितैषी बनाना। स्कॉडा सिस्टम से जलप्रदाय के वॉल्व खोलना। स्मार्ट, जीपीएस निगरानी वाला पब्लिक ट्रांसपोर्ट मुहैया कराना। सीवरेज सिस्टम को रिसाइक्लिंग से जोड़ना और ई-गवर्नेंस के जरिए घर बैठे नागरिकों के काम करवाना।

ऐसे जुटाएंगे खर्च : महापौर के मुताबिक स्मार्ट सिटी के पहले चरण में 5100 करोड़ रुपए खर्च का प्रस्ताव है। पहले वर्ष में सौ करोड़ रुपए केंद्र सरकार जारी करेगी। सौ करोड़ रुपए राज्य सरकार देगी। पहले साल में इसके अलावा करीब 800 करोड़ शहर खुद जुटाएंगा। रिडेवलपमेंट वाले एरिया में हम हाईराइज बिल्डिंग बनाएंगे और बेचेंगे। स्वच्छ भारत, अमृत योजना, शहरी नवीनीकरण योजना जैसी केंद्र की योजनाओं की मद की राशि से भी पैसे का बंदोबस्त हो जाएगा। किसी तरह का नया कर नहीं लगाया जाएगा।

कितना समय लगेगा: महापौर के अनुसार रेट्रोफिटिंग और रिडेवलपमेंट का काम एक साथ चलेगा। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट वाला चरण पर तो काम चल ही रहा है। लिहाजा वह डेढ़ साल में पूरा हो जाएगा। जबकि अन्य सुविधाओं वॉटर सप्लाय, कंट्रोल एंड कमांड सेंटर, ई-गवर्नेंस मॉड्यूल, एरिया मैनेजमेंट व अन्य कामों में ढाई साल लग सकते हैं।

क्या तोड़फोड़ होगी : निगमायुक्त के अनुसार स्मार्ट सिटी के लिए तोड़फोड़ जरूरी नहीं है। नीतियां कुछ इस तरह बनेंगी कि लोग खुद जगह देंगे। शासन से बात कर रहे हैं। एफएसआई और एफएआर का लाभ देंगे तो छोटे प्लॉट पर संयुक्तीकरण का लाभ भी देंगे।

13 कंपनियों के अधिकारी देंगे जानकारी : तकनीकी सत्र के एक भाग में 13 कंपनियों के अधिकारी स्मार्ट सिटी में उपयोगी नागरिक सुविधाओं के मैनेजमेंट की तकनीकों और पैमानों पर प्रस्तुतीकरण देंगे। इनमें ट्रांसपोर्टेशन एंड मोबिलिटी, ग्रीन बिल्डिंग-पर्यावरण, वेस्ट मैनेजमेंट, फायर एंड सेफ्टी, वेस्ट वॉटर मैनेजमेंट और स्मार्ट सॉल्यूशन के बिंदु शामिल रहेंगे। इन कंपनियों में इंजीनियरिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑटोमोबील, एनर्जी और तकनीकी कंपनियां शामिल हैं। आईटी सॉल्यूशन भी बताएंगी कंपनियां तकनीकी कंपनियों से अलग शेष 14 कंपनियां आईटी कंपनियां होंगी। इन कंपनियों का प्रेजेंटेशन का अलग सत्र होगा। ये सभी कंपनियां किसी भी शहर को स्मार्ट सिटी के लिए इंफर्मेशन कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी (आईसीटी) सॉल्यूशन देंगी। इन सभी 13 आईटी कंपनियों का प्रेजेंटेशन एक ही बिंदु स्मार्ट सिटीज के पेबिलिटी पर होगा। यानी कंपनियां स्मार्ट शहर बनाने के लिए आईटी तकनीक की अपनी क्षमताओं और सॉफ्टवेयर को पेश करेंगी। इनमें सिस्को, इंफोसिस, माइक्रोसॉफ्ट, ओरेकल, माइंडटेक, टेक महिंद्रा, आईबीएम, विप्रो, सीमेंस और इम्पेट्स जैसी कंपनियां हैं।

स्वस्थ हैं डी वर्मिंग डे पर दवा खाने वाले सभी बच्चे

भोपाल। प्रदेश में डी वर्मिंग डे पर चलाये गये अभियान में एल्बाण्डाजोल टेबलेट खाने के बाद सभी बच्चे स्वस्थ हैं। कुछ बच्चों में मामूली प्रतिकूल लक्षण दिखने पर उपचार के बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। प्रदेश में गंभीर प्रकृति की कोई प्रतिकूल घटना प्रतिवेदित नहीं हुई है। जिलों से प्राप्त जानकारी के अनुसार 195 अल्प प्रतिकूल घटनाएँ स्वास्थ्य संचालनालय में प्रतिवेदित हुई हैं। अभियान में छूटे हुए बच्चों को मॉप अप राउंड में 15 फरवरी को यही टेबलेट खिलाई जायेगी। उप संचालक शिशु स्वास्थ्य पोषण ने बताया कि कृमिनाशक गोली एल्बाण्डाजोल पूरी तरह सुरक्षित दवा है। जिन बच्चों के पेट में कृमि अधिक हो जाते हैं उनमें दवा खाने के बाद दवा के असर से मरे हुए कृमियों के टॉक्सिन से पेट दर्द, उबकाई आना, उल्टी और चक्कर आदि जैसे तात्कालिक लक्षण स्वाभाविक तौर पर होते हैं। यह सामान्य बात है और कुछ समय बाद यह लक्षण स्वत: समाप्त हो जाते हैं।

प्रदेश के 41 चयनित जिले में यह गोली खिलाई गई थी, जिसमें 195 अल्प प्रभावित प्रतिकूल घटनाएँ हुई हैं। इस तरह की जानकारी मिलते ही इन बच्चों को चिकित्सकीय उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्रों को रेफर किया गया था। अब उनकी स्थिति में सुधार है और उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है।

प्रदेश के 41 जिले में कृमि मुक्ति दिवस पर 10 फरवरी को 1 लाख 85 हजार से अधिक शासकीय शाला, शासकीय अनुदान प्राप्त शालाओं तथा आँगनवाड़ी केंद्रों में एल्बाण्डाजोल की गोली खिलाई गई। कुल 1 करोड़ 51 लाख से अधिक बच्चे को दवा देने का लक्ष्य है। छूटे हुए बच्चों को अब 15 फरवरी को दवा खिलाई जायेगी। एक साल से 19 साल तक के बच्चों के पालकों से अपील की गई है कि वे बिल्कुल भी न घबरायें। यह कृमिनाशक दवा पूरी तौर पर सुरक्षित है।

श्री मोदी की यात्रा की तैयारियों की समीक्षा

भोपाल। मुख्य सचिव श्री अन्टोनी डिसा ने आज मंत्रालय में एक बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की आगामी 18 फरवरी की मध्यप्रदेश यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की। प्रधानमंत्री ग्राम शेरपुर जिला सीहोर में में आयोजित कार्यक्रम में आ रहे हैं।

मुख्य सचिव श्री डिसा ने अधिकारियों से प्रधानमंत्री की यात्रा के लिए की जा रही विभिन्न व्यवस्थाओं की जानकारी विस्तार से प्राप्त की। प्रमुख रूप से सीहोर जिले के सभा स्थल, मंच व्यवस्था, पार्किंग के इंतजाम, किसानों एवं आमजन के बैठने की व्यवस्था, विशिष्ट व्यक्तियों, जन-प्रतिनिधियों और मीडिया की बैठक व्यवस्था पर चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में आने वाले लोगों के लिए पेयजल, अस्थायी शौचालय और फर्स्ट एड व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के संबोधन को सुनने के लिए भोपाल और सीहोर के अलावा निकटवर्ती जिलों के नागरिकों का भी आगमन होगा। इसके अनुसार ही आवश्यक व्यवस्थाएँ की जा रही हैं।

बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह श्री बी.पी. सिंह, पुलिस महानिदेशक श्री सुरेंद्र सिंह, अपर मुख्य सचिव श्री पी.सी. मीना, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं जनसंपर्क श्री एस. के. मिश्रा, प्रमुख सचिव खाद्य श्री अशोक वर्णवाल, प्रमुख सचिव लोक निर्माण श्री प्रमोद अग्रवाल, प्रमुख सचिव उद्योग श्री मोहम्मद सुलेमान, राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री अजय तिर्की, कमिश्नर भोपाल श्री एस.बी. सिंह, आयुक्त जनसंपर्क श्री अनुपम राजन एवं कलेक्टर सीहोर श्री सुदाम खाड़े उपस्थित थे।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने पर होगी कार्यवाही

भोपाल। जिले में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने पर प्रतिबंध लगा दिया है। प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालो के विरूद्ध धारा 188 के तहत दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी। वॉटसअप, फेसबुक, ट्वीटर, जैसे विभिन्न माध्यमों से आपत्तिजनक एवं साम्प्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने वाले मैसेज प्रसारित करने के लिए जिम्मेदार लोगो पर सख्त दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

हर हाल में 31 मार्च तक कराएँ पेंशन प्रकरणों का निराकरण

भोपाल। सेवानिवृत्त एवं मृत शासकीय सेवकों के लंबित पेंशन प्रकरणों का निराकरण हर हाल में 31 मार्च तक करा लें। यदि किसी कार्यालय में पेंशन अथवा पारिवारिक पेंशन लंबित रहे तो विलंब के लिये जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। पेंशन प्रकरणों का निराकरण कराने के साथ-साथ कार्यालय प्रमुख को इस आशय का प्रमाण-पत्र भी संभागीय पेंशन कार्यालय को देना होगा।

निगम-मंडलों में नियुक्ति पर चुनाव आयोग ने सरकार से मांगा जवाब

भोपाल। निगम-मंडलों में नियुक्तियों को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने सरकार से जवाब मांगा है। बसपा महासचिव सुनील बोरसे ने नियुक्तियों को आचार संहिता का उल्लंघन बताते हुए शिकायत की है। सतना कलेक्टर ने इस मामले से पल्ला झाड़ते हुए इसे शासन से जुड़ा विषय बताया है। डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया ने उस बयान से किनारा कर लिया है, जिसमें उन्होंने अपनी नियुक्ति को मैहर चुनाव से जोड़ते हुए फायदेमंद बताया था। गुरुवार शाम पांच बजे प्रचार का शोरगुल थम गया। यहां मतदान शनिवार सुबह सात बजे से होगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सलीना सिंह ने बताया कि चुनाव के दौरान कुल 21 शिकायतें मिली थीं। एक को छोड़कर सभी का निराकरण हो गया है। प्रचार की अवधि समाप्त होने के बाद बाहरी व्यक्तियों को क्षेत्र छोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। आचार संहिता के दौरान 13 लाख 70 हजार रुपए नकद जब्त किए गए हैं। इसमें 12 लाख 30 हजार रुपए एक व्यक्ति लेकर जा रहा था। पुलिस इस मामले की पड़ताल कर रही है।

विकास

मेट्रो रेल का प्रथम चरण 2018 तक क्रियान्वित होगा

प्रदेश में भोपाल और इंदौर को मिलेगी महानगरीय रेल यातायात व्यवस्था

भोपाल। प्रदेश की दो स्मार्ट सिटी भोपाल तथा इंदौर में रेल आधारित यातायात व्यवस्था स्थापित करने के लिए मेट्रो रेल परियोजना का प्रथम चरण 2018 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। जापान के सहयोग से क्रियान्वित होने वाली इस परियोजना के संबंध में आज मंत्रालय में जापान सरकार के आर्थिक व्यापार तथा उद्योग मंत्रालय, भूमि अधोसंरचना यातायात तथा पर्यटन मंत्रालय, जापान की विभिन्न कंपनियों और सगठनों ने प्रस्तुतिकरण दिया। मुख्य सचिव श्री अन्टोनी डिसा की अध्यक्षता में इस बैठक में महापौर श्री आलोक शर्मा भी उपस्थित थे।

बैठक में मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कंपनी लिमिटेड के प्रबंध संचालक श्री विवेक अग्रवाल ने जानकारी दी कि स्मार्ट सिटी के रूप में चयनित भोपाल और इंदौर में परियोजना के क्रियानवयन में स्मार्ट डिजाइन और स्मार्ट क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान रहेगा। भोपाल में मेट्रो रेल की दो लाइन डाली जायेंगी। इसका विस्तार 90 किलोमीटर क्षेत्र में होगा। शहर के सर्वाधिक घनत्व वाले क्षेत्र के साथ-साथ संपूर्ण नगर तथा सभी उपनगर इससे जुड़ेगे। इंदौर में मेट्रो रेल की छह लाइन की योजना है जिसमें सर्वप्रथम शहर की सरकुलर लाइन का विस्तार किया जायेगा। दोनों शहरों में मेट्रो रेल का अधिकांश भाग ऊपरी अधोसंरचना पर आधारित होगा। भूमिगत भाग न्यूनतम रखा गया है। मेट्रो रेल का समय प्रात: 5 बजे से रात्रि 12 बजे तक होगा। दोनों शहरों में 30-30 स्टेशन विकसित किये जायेंगे। इन स्टेशनों के आसपास पार्किंग व्यवस्था तथा स्टेशनों से शहर के अन्य भागों में आवागमन के लिए सुविधाजनक व्यवस्था विकसित की जायेगी। रेल निर्माण में एल्युमीनियम तथा स्टेनलेस स्टील का उपयोग होगा। इसमें से 90 प्रतिशत सामग्री रीसाइकिल करने योग्य होगी।

परियोजना के लिए केंद्र और राज्य शासन 20-20 प्रतिशत राशि उपलब्ध करवायेगा। शेष 60 प्रतिशत राशि लोन के रूप में रहेगी। भोपाल के प्रथम चरण पर 6962 करोड़ तथा इंदौर के प्रथम चरण पर 8200 करोड़ के व्यय का अनुमान है। परियोजना क्रियान्वयन में विश्व स्तरीय मानक पर अधोसंरचना विकसित की जायेंगी इसमें सीवेज सिस्टम, जल प्रदाय, प्रकाश व्यवस्था तथा पर्यावरण संरक्षण के बिंदुओं पर विशेष संवेदनशीलता के साथ योजना क्रियान्वयन का लक्ष्य है।

बैठक में जापान ओवरसीज रेलवे सिस्टम एसोसियेशन के प्रतिनिधियों ने जापान में मेट्रो रेल व्यवस्था के क्रमबद्ध विकास पर प्रस्तुतिकरण दिया। जापान मेट्रो रेल व्यवस्था के क्षेत्र में अग्रणी है। जापानी कंपनियों ने ही ब्रिटेन की इंटर सिटी एक्सप्रेस प्रोग्राम, ताइवान की हाई स्पीड रेल, न्यूयार्क, दिल्ली की मेट्रो रेल के साथ इंडोनेशिया, वियतनाम, दुबई आदि में बड़ी परियोजनाओं का निर्माण किया है। इस अवसर पर ईस्ट जापान रेलवे तथा जापान अरबन रेलवे ने भी प्रस्तुतिकरण दिया।

मुख्य सचिव श्री अन्टोनी डिसा ने कहा कि मेट्रो रेल विकास में जापान के अनुभव तथा विशेषज्ञता से हमारे स्वप्न को वास्तविकता में लाना संभव होगा। श्री डिसा ने परियोजना के वित्तीय प्रबंधन, तकनीकी पहलुओं तथा मेट्रो स्टेशन के आसपास व्यवस्थित विकास के संबंध में प्राप्त सुझावों को क्रियान्वित करने पर सहमति दी। उन्होंने कहा कि राज्य शासन योजना के समय-सीमा में क्रियान्वयन के लिए हर संभव प्रयास करेगा। बैठक में प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री मलय श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

सम्पादकीय

डिजिटल युग में आस्था के सामने निरर्थक 'महिला पुरुष के समानता का दर्जा'

हम अक्सर ये बातें सुनते हैं व युवा पीढ़ी को समझाते हे की लड़का व लड़की सामान होते हैं। सरकार की न जाने कितनी योजनाये हैं जो लड़कियों को आगे बढ़ाने का सन्देश समाज को देती हैं। परन्तु आज भी शनि शिंगणापुर जैसी घटनाएं सोचने पर मजबूर कर देती हैं। शनि शिंगणापुर मंदिर में प्रवेश की इजाजत को लेकर आंदोलन कर रही महिलाओं के दस्ते को प्रशासन ने मंदिर परिसर से सत्तर किलोमीटर दूर रोक कर शांति व्यवस्था बनाने में कामयाबी तो हासिल कर ली, पर सरकार के सामने यह चुनौती बनी हुई है कि वर्षों से चली आ रही प्रथा को तोड़ने के लिए वह क्या रास्ता निकाले। शिंगणापुर के शनि मंदिर चबूतरे पर महिलाओं का प्रवेश वर्जित है। पिछले महीने एक महिला सीमा लांघ कर वहां तक पहुंच गई, जिस पर काफी हंगामा हुआ। मंदिर प्रबंधकों ने पूरे मंदिर को पवित्र करने के लिए अनुष्ठान किया, फिर उसे दर्शनार्थियों के लिए खोला गया। तब से महिला अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठन और तमाम बुद्धिजीवी इस परंपरा को समाप्त करने की मांग करते आ रहे हैं।

हालांकि सरकार ने इस मसले को सुलझाने के लिए प्रबंधन समिति में एक महिला को भी रख दिया, मगर वहां के नियम-कायदों में कोई बदलाव नहीं हो सका। ऐसे में आंदोलन ने और तेजी पकड़ ली। उसी क्रम में महिलाओं का समूह शनि शिंगणापुर जा रहा था।

अब महाराष्ट्र सरकार और केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भरोसा दिलाया है कि वे जल्दी ही महिलाओं के नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए शनि मंदिर में प्रवेश का कोई व्यावहारिक उपाय निकालेंगे। इसके लिए मंदिर प्रबंधकों से बातचीत करके समस्या का समाधान करने की कोशिश की जाएगी। हालांकि वहां महिलाओं के प्रवेश को लेकर पहली बार आंदोलन नहीं छिड़ा है। इससे पहले अंधश्रद्धा उन्मूलन समिति सहित कई संगठन सत्याग्रह कर चुके हैं। इसके कानूनी पहलुओं पर भी गंभीरता से विचार किया जा चुका है कि इस तरह महिलाओं का प्रवेश वर्जित करना संविधान के मूल्यों के खिलाफ है। पर सरकार अभी तक कोई व्यावहारिक रास्ता नहीं तलाश पाई है तो यह उसकी कमजोरी ही कही जाएगी।

हालांकि शनि शिंगणापुर अकेली ऐसी जगह नहीं है, जहां महिलाओं का प्रवेश वर्जित है। दूसरे धर्मों में भी ऐसे पूजास्थल हैं, जहां महिलाओं को जाने की इजाजत नहीं है। उन्हें लेकर अदालतों में चुनौती दी गई है। जहां तक शनि मंदिर में महिलाओं के प्रवेश को लेकर भ्रांति है, वह केवल शिंगणापुर तक सीमित है। देश के दूसरे मंदिरों में ऐसी कोई पाबंदी नजर नहीं आती। सवाल है कि जब शनि के ही दूसरे मंदिरों में महिलाओं के जाने से पवित्रता भंग होने का खतरा नजर नहीं आता तो शिंगणापुर में ऐसी कठोरता क्यों। कई धर्मगुरु भी इस बात की वकालत कर चुके हैं कि शिंगणापुर में महिलाओं को पूजा का अधिकार बहाल होना चाहिए। पूजा व्यक्ति का व्यक्तिगत अधिकार है। उसे किसी अंधविश्वास के आधार पर बाधित नहीं किया जा सकता।

आज तमाम वैज्ञानिक प्रयोगों से स्त्री की पवित्रता-अपवित्रता जैसी धारणाओं पर से परदा उठ चुका है, फिर भी शिंगणापुर शनि मंदिर के कर्ताधर्ता पुराने अंधविश्वासों के आधार पर पुरुष और स्त्री के बीच विभाजक रेखा खींचते आ रहे हैं, तो उन्हें किस आधार पर तर्कशील माना जा सकता है! ऐसे अनेक मंदिरों में प्राचीन मान्यताओं के आधार पर स्त्री-पुरुष और अवर्ण-सवर्ण जैसी कोटियां बना कर पूजा पद्धतियों में भेद बना हुआ है। शनि शिंगणापुर मंदिर में प्रवेश के लिए आंदोलन कर रही महिलाओं की इस मांग को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए कि अगर वहां का प्रबंधन अपनी जिद पर अड़ा हुआ है तो वहां की व्यवस्था सरकार को अपने हाथों में ले लेनी चाहिए।

पराग वराडपांडे

पर्यटन विकास की दिशा में नई पहल

मध्यप्रदेश, देश-विदेश के सैलानियों के लिए स्वाभाविक आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। प्रदेश को कुदरत ने पर्यटन-स्थल के रूप में नायाब तोहफे विविधता के साथ प्रदान किये हैं। देश का हृदय मध्यप्रदेश पर्यटन के नजरिए से बेजोड़ है। हालांकि देश के विभिन्न राज्य अपनी विविध प्राकृतिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से बहुतेरे दर्शनीय स्थलों का आकर्षण सँजोए हुए हैं लेकिन मध्यप्रदेश के दर्शनीय स्थलों का आकर्षण सैलानियों को बरबस अपनी ओर खींच लाता है।

मध्यप्रदेश में इस साल 'वाटर टूरिज्म' की दिशा में अभिनव पहल की शुरूआत की जा रही है। खण्डवा जिले में स्थित इंदिरा सागर बाँध के हनुवंतिया टापू पर आगामी 12 से 21 फरवरी 2016 तक 'जल-महोत्सव' के आयोजन के रूप में पर्यटक वाटर टूरिज्म का लुत्फ उठा सकेंगे। जल-महोत्सव के सुरुचिपूर्ण और रोमांचक आयोजन को सफल बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा सभी जरूरी पहल की जा रही है। निश्चित ही जल-महोत्सव से न केवल पर्यटन के नये क्षेत्र खुलेंगे बल्कि मध्यप्रदेश में वाटर-टूरिज्म का नया अध्याय प्रारम्भ हो सकेगा। इन्दिरा सागर में वाटर क्रुज के आने के बाद प्रदेश का यह छठवाँ क्रुज है। मध्यप्रदेश के अतिरिक्त अन्य किसी प्रदेश में भू-जलाशय में इतने क्रुज नहीं है। प्रदेश के लिए यह गर्व का विषय है कि इन्दिरा सागर, खण्डवा में क्रुज के नियमित प्रारंभ होते ही मध्यप्रदेश भू-जलाशय पर क्रूज पर्यटन के मामले में देश में अग्रणी स्थान पर आ जायेगा। यह सुखद संयोग है कि प्राकृतिक रूप से समृद्ध मध्यप्रदेश में इंदिरा सागर बाँध जैसी विपुल जल-राशि है। इसके अतिरिक्त बरगी, गाँधी सागर, तवा, बाण-सागर जैसे बड़े बाँध भी वॉटर टूरिज्म को बढ़ावा देने और सैलानियों को आकर्षित करने के लिये मौजूद हैं। प्रदेश के विशाल भू-भाग में वन्य क्षेत्र नर्मदा, चंबल, बेतवा, केन नदियाँ एवं विशाल जलाशय, नैसर्गिक सौंदर्य, वन्य-प्राणियों की बड़ी तादाद, पुरातात्विक एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थल तथा धार्मिक आस्था के पुरातन केन्द्र सभी कुछ तो है हमारे प्रदेश में।

पुरस्कार-प्रशंसा: पर्यटन के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रदेश को एक साथ 6 राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया है। राष्ट्रीय महत्व के प्रतिष्ठापूर्ण पुरस्कार राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने नई दिल्ली में प्रदान किये। पर्यटन के समग्र विकास के लिए मध्यप्रदेश को द्वितीय पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ विरासत शहर का पुरस्कार ग्वालियर को मिला। बी. श्रेणी के पर्यटक स्थलों में जन-सुविधा प्रबंधन में खरगोन जिले की महेश्वर नगर परिषद को पहला, पर्यटकों के लिए अनुकूल रेलवे स्टेशन का पुरस्कार हबीबगंज को, बेस्ट मेंटेन्ड डिसेबल्ड फ्रेंडली मान्यूमेंट भोजपुर के शिव मंदिर को, मोस्ट इनोवेटिव एण्ड यूनिक टूरिज्म प्रोजेक्ट का गौरव पर्यटन विकास निगम की इकाई 'सैर-सपाटा' भोपाल को हासिल हुआ है। पर्यटन के क्षेत्र में इस वर्ष पर्यटन के अनुकूल वेबसाइट और उत्कृष्ट पारिस्थितिकी पर्यटन स्थल होने के दो राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार और मिले। पर्यटन विकास निगम द्वारा पर्यटन के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर निजी क्षेत्रों से भी सराहना प्राप्त हो रही है। टुडेज ट्रेवलर अवार्डस, 2015 में मध्यप्रदेश को पर्यटन के क्षेत्र में सराहनीय कार्य के लिए "मोस्ट प्रोग्रेसिव स्टेट" का पुरस्कार प्रदान किया गया है। प्रदेश में निवेशकों को आकर्षित करने हेतु पर्यटन नीति 2012 (यथा संशोधित 2014) लागू है। इसके जरिये भूमि को जन-निजी भागीदारी के तहत निजी निवेशकों को दिये जाने की कार्यवाही की जा रही है। निजी निवेश को बढ़ावा दिये जाने के लिए प्रदेश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर लगभग 370 हेक्टेयर भूमि का लेण्ड बैंक स्थापित किया गया है। वर्तमान में इंदिरा सागर जलाशय एवं फेफरिया खुर्द आईलेण्ड, मेंहदीखेड़ा जिला धार, माण्डू एवं ढ़कना-चपना, निनोद तथा साँची जिला रायसेन में स्थित जमीन को निजी क्षेत्र को दिये जाने की कार्यवाही प्रचलन में है।

SAAP SOLUTIONS
Explore New Digital World

* All Types of Website Designing (Static Website, Dynamic Website, Ecommerce Site, Responsive/Adaptive Design, Customer focused design)
* Logo Designing by Experts
* Bulk SMS Services

For more details Visit our website saapsolution.com
For Enquires contact on 9425313619, Email-info@saapsolution.com

नौकरी चाहिए तो अपने रिज्यूमे में भूल कर भी न लिखें ये बातें

हाल ही में हुए एक सर्वे में पता चला था कि नौकरी की तलाश करने वाले 57 फीसदी लोग अपने रिज्यूम में गलत जानकारियां देते हैं। ऐसा करने से उम्मीदवारों का इंप्रेशन इंटरव्यू देने से पहले ही खराब हो जाता है। इससे बचने के लिए रिज्यूमे बनाते समय सामान्य गलतियों से लेकर उसमें लिखी जाने वाली बातों पर बेहद ध्यान देने की जरूरत होती है।

उम्मीदवार अपने ऑब्जेक्टिव और क्वॉलिटी बताने में सबसे ज्यादा गलतियां करते हैं। हम यहां आपको कुछ ऐसी बातों के बारे में बताएंगे जो लगभग हर रिज्यूमे में देखने को मिलती हैं और इससे रिक्रूटर सबसे ज्यादा चिढ़ते हैं या बोर होते हैं.

1. मैं किसी भी संकट को खत्म कर सकता/सकती हूं

ज्यादातर रिक्रूटर इस बात को रिज्यूमे में देखना पसंद नहीं करते हैं। जब तक आपके पास अपनी बातों को साबित करने के लिए वैलिड प्वांइट्स न हो, भूल कर भी ऐसा न लिखें। रिज्यूमें में किसी भी संकट को खत्म करने का दावा करके आप अपने लिए परेशानी खड़ी कर लेते हैं।

2. मैं बेहतरीन कम्यूनिकेटर और अच्छा लिखने वाला/वाली हूं

आपकी इस स्किल का अंदाजा आपके रिज्यूमे की मदद से आसानी से लगाया जा सकता है। कम्यूनिकेश स्किल और राइटिंग स्किल के बारे में रिज्यूमे में जरूर बताना चाहिए लेकिन बढ़चढ़ के की गई बातें या खुद मियां मिट्ठु होना आपके करियर के लिए अच्छा नहीं होगा।

3. मैं टीम में काम करने में माहिर हूं

आप शायद नहीं जानते होंगे कि रिक्रूटर के पास जितने रिज्यूमे आते हैं, उनमें से ज्यादातर में यही बातें लिखी हुई होती हैं। अगर आपके पास सच में यह स्किल है तो अच्छी बात है। इंटरव्यू लेते समय पैनल यह जान लेगा कि आप वाकई टीम के साथ काम करने के लिए फिट हैं या नहीं। ऐसी जानकारियों से आप रिक्रूटर को बोर ही करेंगे।

4. मैं काफी परिश्रमी हूं

रिज्यूमे में यह लिखने कि कतई जरूरत नहीं है कि आप बहुत मेहनती हैं। अगर आप काबिल हैं तो आपके ब्लॉग, राइटअप, टेक्निकल स्किल्स और आपकी पढ़ाई-लिखाई इस बात की गवाही खुद दे देंगे। अगर सच में नौकरी पाना चाहते हैं तो अपने बारे में यह लिखने से बचें।

5. मैं दवाब में अच्छा काम करता/करती हूं

ऐसा कहने से रिक्रूटर आपसे यह नहीं कहने लगेंगे कि हम तो बस आपके जैसे लड़के/लड़कियों को खोज रहे थे। इसके उलट वो आपका रिज्यूमे देखकर अपना सर खुजाने लगेंगे। ऐसे में हमेशा सोच-समझकर लिखना चाहिए. अपने काम से प्यार करने वाला कोई भी शख्स दवाब में अच्छा आउटपुट दे ही नहीं सकता है। अगर वह कामचोर है तभी दवाब में काम करेगा। अपना इंप्रेशन खराब न करें।

जानें विदेश में पढ़ाई करना कैसे बनाता है स्मार्ट

विदेश में पढ़ाई करना आपके व्यक्तित्व को कई तरीकों से निखारता है। इससे आपके ज्ञान और अनुभव में तो बढ़ोतरी होती ही है, आपमें अकेले रहकर बहुत कुछ मैनेज करने का गुण भी आता है।

जानें विदेश में पढ़ाई का मौका आपमें किन गुणों को विकसित करता है

1. घर से बाहर निकलकर विदेश में अपनी पढ़ाई शुरू करना अलग अनुभव होता है। वहां का माहौल, लोग, वातावरण आदि मौजूदा स्थितियों से बिल्कुल अलग होते हैं। एकदम नए परिवेश में जाने पर जाहिर है शुरुआत में आपको घबराहट होगी। लेकिन धीरे-धीरे जब अपना तालमेल इसके साथ बैठाने लगेंगे तो फिर यही माहौल आपके अंदर एक विश्वास लेकर आएगा है। यह बदलाव आपको मानसिक रूप से मजबूत बनाएगा और आपको फिर अजनबियों के साथ सामंजस्य बैठाने में दिक्कत नहीं होगी।

2. विदेश में पढ़ने वाले युवाओं में एक खास बात यह भी होती है कि वे खासे क्रिएटिव हो जाते हैं। नए कल्चर में रहने के बाद उनमें दूसरों को अपनाने और हर पल में नया सोचने व करने की क्षमता आ जाती है। ऐसे में जहां आम लोग किसी नई चुनौती या उलझन में धैर्य खाने लगते हैं या बिना प्रयास के ही हार मानने लगते हैं, वहीं विदेश में पढ़ने वाले छात्र अलग तरीके से इसके समाधान के बारे में सोचते हैं।

3. आपमें पहले से ज्यादा लचीलापन आ जाता है। आप लोगों की मदद के लिए पहले से ज्यादा तत्पर हो जाते हैं। दूसरे मुल्क में लोगों को अपना बनाने की कोशिश आपको एक अच्छा इंसान बना देती है। आप छोटी-छोटी बातों से ऊपर उठकर सोचने लगते हैं।

4. विदेश में रहकर आप नई भाषाएं बहुत तेजी से सीखते हैं। इसकी खास वजह यह है कि आपके आस-पास का माहौल। आपके आस-पास एक नई भाषा में बातचीत होने आप उसे तेजी से सीखते हैं। इससे आपकी कम्यूनिकेशन स्किल्स भी सुधरती हैं। यही नहीं, आप लोगों के हाव-भाव से भी उनको समझने लगते हैं।

5. नए लोगों के साथ मिलने से हम उनकी आदतों और परंपराओं को भी आसानी से अपनाते हैं। इसका असर हमारे व्यक्तित्व पर पड़ता है। हम नई हॉबी और नए शौक बनाते हैं, जो हमें दूसरों से अलग बनाते हैं।

6. अकेले अपनी चीजों को बैलेंस करना आपको किसी भी परिस्थिति का सामना आसानी से करने के लिए मजबूत करेगा। घर से बाहर रहकर हम इतने स्ट्रॉन्ग हो जाते हैं कि मुसीबत पड़ने पर उसका सामना बड़ी ही आसानी से कर पाते हैं।

7. ऐसे में जो सबसे बड़ा परिवर्तन होता है, वो है जीवन के प्रति नजरिया बदल जाना। अब तक जिस जीवन को आप एक दायरे में जीते आ रहे हैं, विदेश में पढ़ाई आपको उससे बाहर निकलने में मदद करती है। इससे आपकी सोच का दायरा भी बढ़ता है और आप नई चीजों और कल्चर को आसानी से स्वीकार कर पाते हैं।

बी.बी.ए. फैमिली बिजनैस के विद्यार्थियों ने जानी निर्माण एवं गुणवत्ता की बारीकियाँ

CA के सिलेबस में किया जा रहा है बदलाव

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) ने मौजूदा आर्थिक परिदृश्य के हिसाब से चार्टर्ड अकाउंट के पाठ्यक्रम में बदलाव किया है, जिसे लेकर उसे सरकार से मंजूरी की प्रतीक्षा है। चार्टर्ड अकाउंटेंट कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में हर 10 साल पर संशोधन किया जाता है और संबद्ध पक्षों से लंबे विचार-विमर्श के बाद इसे तैयार किया गया है। आईसीएआई के अध्यक्ष मनोज फड़णीस ने कहा, 'हमारा संशोधित पाठ्यक्रम केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने की अग्रिम अवस्था में है। इसमें पूरी तरह से संशोधन किया गया है। इसे मंजूरी के ि ल य े कारपोरेट कार्य मंत्रालय के पास भेजा गया है।' आईसीएआई कारपोरेट कार्य मंत्रालय के अधीन आता है। उन्होंने कहा, इसे 10 साल पर संशोधित किया जाता है। जब ऐसा करते हैं, हम पाठ्यक्रम और मौजूदा व्यापार एवं वाणिज्य की जरूरत के हिसाब से उसकी प्रासंगिकता को देखते हैं। पूर्ण पाठ्यक्रम को उन्नत बनाया गया है। मंत्रालय की मंजूरी के बाद पाठ्यक्रम पर लोगों की सार्वजनिक राय ल ी जाएगी। विभिन्न पक्षों से टिप्पणी प्राप्त करने के बाद अंतिम मसौदा मंत्रालय के पास भ ेज ा जाएगा ।

विज्ञापन संबंधित

त्रिकाल दृष्टि डॉट कॉम एवं समाचार पत्र में क्लासिफाईड एवं अन्य विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें : 9425313619

RAJPAL'S
GREENWOODS

MARRIAGE GARDEN
AVAILABLE FOR ALL TYPES OF PARTY
FOR BOOKINGS CONTACT:
न्यूमार्केट से मात्र 2 किलोमीटर की दूरी पर जूडीशयल एकेडमी के पास सभी सरकारी मान्यता प्राप्त व सर्वसुविधा युक्त, मो. 98260-51505

गर्भावस्था के दौरान जरूर खाएं अंडे

गर्भावस्था के दौरान महिला को कई तरह के पोषक तत्व लेने की सलाह दी जाती है, उनमें से अधिकतर की पूर्ति अंडे से हो सकती है। अंडे में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन, वसा, लवण और दूसरे पोषक तत्व पाए जाते हैं। इनमें सेलेनियम, जिंक, विटामिन ए, डी और कुछ मात्रा में बी कॉम्प्लेक्स भी शामिल है। इसकी वजह से अंडे को सुपरफूड कहा जाता है।

हालांकि अंडे को डाइट का हिस्सा बनाने के साथ ही कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान भी रखना आवश्यक होता है।

अंडे को हमेशा फ्रिज में रखें। जब भी आप अंडे को फोड़ें तो इसे अच्छी तरह चेक करके यह सुनिश्चित कर लें कि इसमें से किसी तरह की गंध न आ रही हो। अंडे को पकाने के बाद दो घंटे के भीतर ही इसे खा लें. ज्यादा देर तक न रखें।

वहीं अंडे को डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही खाएं। एक दिन में दो से अधिक अंडे न लें। गर्भावस्था के दौरान अंडा खाने के ये बेमिसाल फायदे आपको हैरत में डाल सकते हैं:

1. प्रोटीन का खजाना

अंडे में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है जो गर्भावस्था के दौरान लिया जाना बहुत आवश्यक है। गर्भ में पल रहे बच्चे की हर कोशिका प्रोटीन से बनती है. ऐसे में गर्भवती महिला अगर अंडे खाती है तो भ्रुण का विकास बेहतर तरीके से होता है।

2. दिमागी विकास के लिए

अंडे में 12 विटामिनों का पैकेज होता है और साथ ही कई तरह के लवण भी होते हैं। इसमें मौजूद ख्द्धश्चद्वद्धठ्ठ और ओमेगा-3 फैटी एसिड बच्चे के संपूर्ण विकास को बढ़ावा देते हैं। इसके सेवन से बच्चे को मानसिक बीमारियां होने का खतरा कम हो जाता है और उसका दिमागी विकास भी होता है।

3. कोलेस्ट्रॉल का स्त्रोत

अगर गर्भवती महिला का ब्लड कोलेस्ट्रॉल स्तर सामान्य है तो वह दिन में एक या दो अंडा खा सकती है। अंडे में कुछ मात्रा में सैचुरेटेड फैट भी होता है। अगर महिला का कोलेस्ट्रॉल लेवल अधिक है तो उसे जर्दी वाला (पीला हिस्सा) भाग नहीं खाना चाहिए।

4. कैलोरी का माध्यम

एक गर्भवती महिला को एक दिन में दो सौ से 300 तक एडिशनल कैलोरी लेनी चाहिए। इससे उसे और बच्चे, दोनों को पोषण मिलता है। अंडे में करीब 70 कैलोरी होती है जो मां और बच्चे दोनों को एनर्जी देती है।

हालांकि अगर गर्भवती महिला डायरिया, उल्टी, फूड प्वाइजनिंग से जूझ रही है तो उसे अंडे के सेवन से परहेज करना चाहिए. कुछ महिलाओं की पाचन क्रिया कमजोर होती है तो उन्हें चिकित्सक की सलाह पर ही अंडे खाने चाहिए।

हेल्दी होने के साथ ही वजन घटाने का अनूठा उपाय है दलिया

आपने अक्सर लोगों को ये कहते सुना होगा कि बीमार शख्स को दलिया का आहार देना सर्वोत्तम होता है पर क्या आप ये जानते हैं कि ऐसा क्यों कहा जाता है?

दरअसल, दलिया एक सुपाच्य आहार है, जो गेंहूं को दरदरा पीसकर तैयार किया जाता है। इसमें भरपूर मात्रा में पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह शरीर के कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में भी सहायक होता है। पर कम लोगों को ही पता होता है कि ये वजन कम करने का अचूक मंत्र है।

दलिया खाने के फायदे:

1. दलिया में भरपूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में सहायक होता है। इसे खाने के काफी देर तक पेट भरा महसूस होता है जिसके चलते बार-बार खाने की जरूरत नहीं पड़ती है।

2. शरीर को ऊर्जा देने के लिए दलिया से बेहतर कुछ नहीं। इसके सेवन से मेटाबॉलिज्म सिस्टम बेहतर बनता है। साथ ही इसके छोटे-छोटे दानों में भरपूर मात्रा में एनर्जी होती है। इसी कारण इसे आदर्श नाश्ता भी माना जाता है।

3. दलिया में पर्याप्त मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। यह शरीर के भीतर मौजूद विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में भी सहायक होता है।

4. दलिया में किसी भी दूसरे ब्रेकफास्ट की तुलना में बेहद कम कैलोरी होती है जिससे शरीर को ऊर्जा तो मिलती है लेकिन वजन नहीं बढ़ता। इसके नियमित सेवन से आप वजन कम कर सकते हैं।

गुड़ खाने के ये बेहतरीन फायदे आपको हैरत में डाल देंगे

स्वास्थ्य की दृष्टि से गुड़ एक बहुत ही फायदेमंद चीज है। गुड़ को गन्ने के रस से बनाया जाता है। सर्दियों में गुड़ का इस्तेमाल करना बेहद फायदेमंद होता है। गुड़ का इस्तेमाल कई तरीके से किया जाता है। कुछ लोग गुड़ को दूध के साथ लेना पसंद करते हैं तो कुछ इसे उसके मूल रूप में ही खाना पसंद करते हैं।

गुड़ खाने के फायदे:

1. सर्दी के दिनों में गुड़, अदरक और तुलसी के पत्तों का काढ़ा बनाकर पीने से ठंड लगने की आशंका कम हो जाती है।

2. जिन लोगों के शरीर में खून की कमी है उनके लिए गुड़ बहुत फायदेमंद है। ये आयरन से भरपूर होता है। हीमोग्लोबिन के स्तर को सुधारने के लिए भी गुड़ खाना फायदेमंद होता है।

3. पाचन क्रिया को बेहतर बनाए रखने के लिए भी गुड़ एक कारगर उपाय है।

4. गुड़ में पर्याप्त मात्रा में पोटैशियम पाया जाता है। ये ब्लड-प्रेशर को नियंत्रित रखने में सहायक होता है।

5. अगर आप कब्ज की समस्या से परेशान हैं तो रात में खाना खाने के बाद एक टुकड़ा गुड़ खाने से कब्ज की समस्या दूर हो जाएगी।

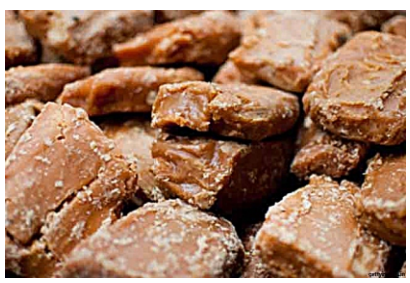

अजवायन को घर का डॉक्टर क्यों कहते हैं?

हम सभी के घरों में अजवायन एक प्रमुख मसाले के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। पर आपको शायद ही पता हो कि ये एक प्राकृतिक औषधि भी है। आप चाहें तो कई छोटी-छोटी सामान्य बीमारियों का इलाज अजवायन की मदद से कर सकते हैं। अच्छी बात ये है कि इसका फायदा बड़े और छोटे दोनों को समान रूप से होता है।

अजवायन को इस्तेमाल करने का तरीका

अजवायन का पूरा फायदा लेने के लिए इसे पानी में उबाल लेते हैं। अगर आप चाहें तो इसे यूं भी इस्तेमल कर सकते हैं लेकिन इसके पानी का इस्तेमाल करना ज्यादा फायदेमंद होता है। इसका पानी बनाने के लिए एक चम्मच अजवायन को एक कप पानी में उबाल लें। जब ये पानी आधा रह जाए और पानी मटमैला दिखने लगे तो गैस बंद कर दें। इस पानी को छान लें। जब ये ठंडा हो जाए तो इसे इस्तेमाल करें।

अजवायन के फायदे:

1. अगर आप मोटापे की समस्या से जूझ रहे हैं तो अजवायन का पानी पीना आपके लिए बहुत फायदेमंद रहेगा। ये चर्बी को गलाने का काम करता है जिससे बहुत जल्दी वजन घट जाता है।

2. अगर आपको पाचन से जुड़ी कोई समस्या है तो अजवायन का पानी आपके लिए किसी वरदान से कम नहीं। अजवायन का पानी पीने से कब्ज और गैस की समस्या में राहत मिलती है।

3. अजवायन का पानी दर्द निवारक की तरह काम करता है। अगर आपको दांत दर्द की तकलीफ है तो अजवायन के पानी से गार्गल करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। साथ ही इसके इस्तेमाल से मुंह की दुर्गंध भी दूर हो जाती है।

4. पीरियड्स के दौरान दर्द और ऐंठन की समस्या से राहत पाने के लिए भी अजवायन का पानी बहुत फायदेमंद होता है। इसमें एंटी-बैक्टीरियल तत्व होते हैं जो पेट के इंफेक्शन को दूर करने में मददगार होता है।

5. अगर आपको हल्की सर्दी हो रखी है तो भी अजवायन के पानी से गार्गल करना फायदेमंद रहता है। सर्दी दूर करने के लिए ग्रामीण इलाकों में लोग अजवायन का धुंआ भी लेते हैं।

क्या कहती है 2016 की छः राशियाँ

तुला: राशिचक्र की यह सातवीं राशि तराजु जैसे संतुलन के बारे में बताती है। स्वामी ग्रह शुक्र वाले इस राशि के लोगों का भाग्यशाली रंग नीला व हरा है। आने वाले वर्ष 2016 में इस राशि पर शनि की साढ़े साती अंतिम दौर में रहेगी।

वैसे 23 सितंबर से 22 अक्टूबर को जन्म लेने वाले लोग पूरे साल शनि की साढ़े साती के प्रभाव में बने रहेंगे। हालांकि इनके लिए अच्छी बात यह होगी कि ये स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से मुक्त हो जाएंगे। खोई हुई मान-मर्यादा फिर से मिल जाएगी और उतरती हुई साढ़े साती काफी हद तक लाभकारी साबित होगी। यह कहें कि अंतिम समय में जाते-जाते नई ऊर्जा से भर देगा और नए जोश से पिछले कष्टों को भूलकर कार्यों में लीन हो जाएंगे।

नए अवसर मिलेंगे। इसके अंतरगत आने वाले लोग आकर्षक व्यक्तित्व के स्वामी होते हैं और आदर्शवादी होने के साथ-साथ चतुर और दूसरों की भावनाओं का सम्मान करते हैं। इनमें न्यायप्रियता और अदार्शवादिता कूट-कूटकर भरी होती है। ये गहरी दूरदर्शिता के अतिरिक्त यथार्थवादिता और विनम्रता परिचय देते हैं तथा धर्म परायण भी होते हैं।

वृश्चिक : राशिचक्र की आठवीं राशि वालों की जन्म तिथि 23 अक्टूबर से 21 नवंबर के बीच या ये दोनों तारीखें होती हैं। इस राशि वाले स्वामी ग्रह मंगल व प्लूटो से प्रभावित रहते है । भाग्यशाली दिन मंगलवार और शुभ रंग लाल है। आने वाले साल में सूर्य, चंद्रमा और बुध का प्रभाव कारोबारी लाभ लिए हुए है। दिसंबर 2016 तक परिश्रम को प्रथमिक बनाना होगा।

इस पर शनि की साढ़ेसाती का मध्य भाग सक्रिय बना रहेगा। मानसिक तनाव, मतभेद, मनमुटाव, अनबन, आक्रामकता इनके लिए नकारात्मक प्रभाव पैदा कर सकते हैं। इस राशि वाले, पारिवारिक मांगलिक कार्य, देशाटन, तीर्थाटन और धर्म-कर्म पर पैसा खर्च करेंगे। नौकरी, करिअर या कारोबार में उन्नति के योग बन सकते हैं। कुछ ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार यह अंतर्मुखी स्त्री चिन्ह वाला भी माना जाता है।

इनमें नीडरता और समय पर काम निपटाने की क्षमता होती है। इनके व्यक्तित्व में गजब की आकर्षण क्षमता होती हैं। इन्हें एक भावुक प्रेमी भी समझा जाता है। काफी हद तक प्यार के जुनून में डूब मरते हैं। इस दौरान अविश्वास, जिद और जलन इनकी कमजोरी बन जाता है।

धनु : राशिचक्र में नौवां स्थान रखने वाले इस राशि में आने वाले दिनों में शनि की साढ़े साती के पहले चरण का दूसरा साल होगा। इसका मिलाजुला असर रहेगा। धन के मामले में अगर लाभ मिलेगा, तो भाग्य में कमी महसूस करेंगे। हालांकि पुराने कर्ज से मुक्ति मिल सकती है।

सेहत संबंधी समस्या से मुक्त हो सकते हैं। शत्रुपक्ष आपके प्रभाव के आग नहीं टिक पाएंगे। यह कहें कि सभी तरह से स्थितयां अनुकूल बन सकती है। विदेश यात्रा का योग है, तो आपके हाथों कोई मांगलिक अनुष्ठान भी संपन्न हो सकता है। इस राशि वालों पर उच्चता और निम्मनता लिए हुए दोनों तरह के प्रभाव का असर होता है। इनका स्वामी ग्रह बृहस्पति होने के कारण शुभ दिन बृहस्पतिवार होता है और भाग्याशाली रंग जामुनी, बैंगनी, लाल व गुलाबी है।

ऐसे व्यक्ति व्यक्ति आध्यात्म, साहित्य, धर्म तथा शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े होते हैं। यथार्थवादी होते हैं और किसी न किसी कार्य में इनकी व्यस्तता बनी रहती है। सकारात्मकता का प्रवाह प्रेम की असीम ऊंचाई प्रदान करता है। आने वाले साल में इनकी खूबियां सम्मान दिलाएगी तो करिअर को मजबूती मिलेगी। स्वास्थ्य को लेकर कोई चिंता करने की बात नहीं है। मुख्य मूलमंत्र वाणी पर नियंत्रण रखने की है।

कर : राशिचक्र के 10वीं राशि का शानि स्वमि ग्रह वाले इस राशि के व्यक्ति का भाग्याशाली दिन शनिवार और शुभ रंग भूरा, स्लेटी और काला है। इनका स्वाभव अनुशासनप्रियता लिए होता है। आनेवाला साल 2016 इनके लिए जीवन स्तर को सुधारने वाला साबित हो सकता है।

आय के स्रोत कई मध्यम से बनेंगे। कार्यक्षेत्र में इनकी एकाग्रता बनी रहेगी । इनमें महत्वकांक्षा तीव्र होती है और धीरे-धीरे धैर्य एवं आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की कोशिश करते हैं। यही कारण है कि इनको सफलता मिलने में काफी समय लग जाता है। कई बार निराशा भी हाथ लगती है। इनकी एक खूबी यह भी है कि ये औरों से भी काम करवाने की क्षमता और योग्यता रखते हैं। अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए धन खर्च कर देते हैं। प्रेम के मामले में ये गंभीर होते हैं और इसमें जरा भी हड़बड़ी नहीं दिखाते हैं।

इनके जीवन में प्रेम की प्रगाढ़ता धीरे-धीरे आती है। दांपत्य जीवन सुखद होता है और अनैतिकता से कोसो दूर रहते हैं। आने वाले महीनों में इस राशिवालों का अगर मान-साम्मान बढ़ेगा तो करिअर या कारोबार में सफलता और तरक्की मिल सकती है। हालांकि स्वास्थ्य संबंधी असहजता आ सकती है। किसी रोग की चपेट में आ सकते हैं।

कुंभ : राशिचक्र की ग्यारहवीं रशि कुंभ का अर्थ घड़ा है। मौजूदा माह से लेकर आने वाले वर्ष के सभी माह में इनके लिए हर निर्णय महत्वपूर्ण होगा। कुछ अच्छी तो कुछ कड़वाहट के दौर से गुजरना पड़ सकता है। पारिवारिक विवाद, नौकरी में तनाव, कारोबार में अड़चनें, बाधित करिअर इत्यादि से जूझते हुए चोरी, आपदा, दुर्घटना और भय का सामाना करना पड़ सकता है।

महापुरुषों की प्रेरणा या सहकर्मियों की सलाह इनके लिए संबल का कार्य करेगी। नौकरीपेशा वाले कार्यक्षेत्र में अपनी कौशल और परिश्रम के बूते सहज बने रहेंगे। धनागमन की चिंता करने की जरूरत नहीं है। शनि और यूरेनस स्वामी वाले इस राशि वालों के लिए रविवार और शनिवार भाग्यशाली दिन होते हैं।

इस राशि वाले वर्ष 2016 में शानि की ढैया या शनि के दूसरे प्रभाव से मुक्त रहेंगे। आने वाले कुछ माह तक इनकी व्यस्तता बढ़ी रहेगी, जबकि करिअर या कारोबार के लिए वर्ष भर बदलाव की उम्मीद है। घर-परिवार में सुखद माहौल बनाना होगा। स्वास्थ्य के लिहाज से साल अच्छा गुजरेगा। प्रेम के मामले बौद्धिकता का प्रदर्शन करने और थोड़ी उग्रता दर्शाने के कारण प्रेम-संबंध में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

मीन : राशिचक्र की अंतिम राशि आने वाले साल में शानि के प्रभाव से मुक्त रहेगा। अर्थात इसपर न तो शनि की साढ़ेसाती रहेगी और न ही शनि की कोई ढय्या। इस राशि पर बृहस्पति के विराजमान होने से 19 फरवरी से 20मार्च के बीच पैदा होने वालों में प्रबल प्रतापी, पराक्रमी और विद्वता का असर रहेगा।

इनका सोचा हुआ कार्य संपन्न होगा और परिवार के लिए अपनी सक्रियता बनाए रखेंगे। हालांकि कुंठित प्रतिद्वंद्वियों का भी शामना करना पड़ सकता है। आर्थिक स्थिति में मजबूती के साथ-साथ स्थायी या अस्थायी कारोबार से धनोपार्जन करने में सफल रहेंगे। धर्म कर्म के प्रति रूचि बढ़ेगी। पारिवारिक और दांपत्य जीवन सुखमय व्यतीत होगा। बृहस्पति ग्रह के स्वामी वाली इस राशि के व्यक्ति के स्वभाव में जलीय गुण होते हैं। इनमें अगर स्वाभाविक चंचलता रहती है, तो ऐसे व्यक्ति परोपकारी और शांत स्वभाव के भी होते हैं।

सहजता इनकी विशेषता है। साथ ही आध्यात्मिक, नि:स्वार्थ और गूढ़ विषय की जानकारी हासिल करने की महत्वाकांक्षा रखते हैं। अच्छी सलाह देते हैं और ईमानदारी इनकी पूंजी होती है। सोमवार और गुरुवार इनके लिए भाग्यशाली दिन है, जबकि बैंगनी, समुद्री हरा, चमकीला गुलाबी भाग्याशाली रंग होते हैं।

2016 की पहली शनिश्चरी अमावस्या ऐसे दूर होगी पीढ़ा

पौष मास कृष्णपक्ष 9 जनवरी को शनिवार के दिन शनिश्चरी अमावस्या मनाई जाएगी, जो वर्ष 2016 की पहली शनिश्चरी अमावस्या होगी।

ज्योतिषाचार्य के अनुसार, शनिश्चरी अमावस्या के दिन भगवान शनिदेव को सरसों और तिल के तेल से अभिषेक करने से शनि पीढ़ित जातकों को राहत मिलती है। इस बार शनिश्चरी अमावस्या शनिवार को सुबह 7:40 बजे से शुरू होकर दूसरे दिन 10 जनवरी रविवार सुबह 7:20 बजे तक रहेगी। सभी नवग्रहों में मंदिरों में शनिश्चरी अमावस्या की तैयारियां जोरों पर की जा रही है।

ये उपाय करें

सुंदरकांड का पाठ, हनुमानजी को चोला चढ़ाएं। -सरसों या तिल के तेल के दीपक में दो लोहे की कीलें डालकर पीपल पर रखें।

शनिदेव पर तिल या सरसों के तेल का दान करें।

चीटीं को शक्कर का बूरा डालें।

अपने वजन के बराबर सरसों का खली (पीना) गौशाला में डालें।

इस तरह शनि की पीढ़ा शांत होगी -

ज्योतिषाचार्य के अनुसार वर्तमान में मेष राशि के लिए शनि का गोचर आठवां और सिंह राशि के लिए शनि का गोचर चौथा चल रहा है। यह दोनों राशि शनि के ढैय्या के प्रभाव में हैं।

तुला, वृश्चिक और धनु राशि शनि के साढ़े साती के प्रभाव में हैं। इसमें तुला का आखिरी ढैय्या, वृश्चिक पर मध्य ढैय्या और धनु के लिए प्रारंभिक ढैय्या है। कुंडली में मार्केश होने पर करें अभिषेक -जिनकी जन्मकुंडली में शनि की दशा चल रही है या फिर वर्तमान में उनकी कुंडली में चौथा, आठवां और 12वें भाव में शनि का भ्रमण हो रहा है। कुंडली में शनि मार्केश है। उन जातकों को शनिचरी अमावस्या के दिन शनिदेव का तेल से अभिषेक करना चाहिए और दान करना चाहिए। साथ ही दशरथकृत शनिस्त्रोत का पाठ करने से शनि की पीढ़ा शांत होती है।

मैच फिक्सिंग के आरोपों से नाराज हुए धोनी

नई दिल्ली। टीम इंडिया के टी20 और वनडे के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने एक हिंदी अखबार को कानूनी नोटिस भेजकर 100 करोड़ रुपए की मानहानि का दावा करने की चेतावनी दी है। अखबार ने टीम के पूर्व मैनेजर के हवाले से दावा किया था कि 2014 में इंग्लैंड के दौरे पर धोनी ने एक टेस्ट मैच फिक्स किया था।

यह भी आरोप लगाया कि धोनी ने जानबूझकर गीली विकेट पर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, जबकि टीम मीटिंग में यह तय हुआ था कि टॉस जीतने की स्थिति में पहले फील्डिंग चुनना है। भारत ने यह टेस्ट तीसरे दिन ही गंवा दिया था। ओल्ड ट्रैफर्ड में हुए इस मैच में भारत को इंग्लैंड ने एक पारी और 54 रन से शिकस्त दी थी।

डेक्कन क्रॉनिकल की खबर के मुताबिक, मीडिया रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए धोनी से जुड़ी लीगल फर्म सीएंडसी असोसिएट्स ने अखबार को नौ पन्ने का लीगल नोटिस भेजा। नोटिस के जरिए चेतावनी दी गई कि या तो अखबार इस रिपोर्ट को वापस ले

या लीगल केस का सामना करने के लिए तैयार रहे। धोनी के वकीलों ने 100 करोड़ रुपए के मानहानि का मामला दर्ज कराने की चेतावनी दी। लीगल नोटिस में इस बात का भी जिक्र है कि खुद देव ने इस तरह के आरोपों को खारिज किया है। स्टिंग ऑपरेशन की प्रामाणिकता पर भी सवाल उठाए गए हैं।

मैक्कुलम ने किया कमाल, बनाया टेस्ट क्रिकेट का शानदार रिकॉर्ड

नई दिल्ली। न्यू जीलैंड के कप्तान ब्रैंडन मैक्कुलम लगातार सौ टेस्ट मैच खेलने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। शुक्रवार को वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। दूसरे नंबर पर डिविलियर्स मैक्कलम के बाद इस लिस्ट में दक्षिण अफ्रीकी स्टार एबी डिविलियर्स हैं, जिनके नाम पदार्पण के बाद लगातार 98 टेस्ट मैच खेलने का रिकॉर्ड है। 34 वर्षीय मैक्कलम ने 10 मार्च 2004 को हैमिल्टन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला मैच खेला 99 मैचों में उन्होंने 38.48 की औसत से 6273 रन बनाए हैं।

स्टार स्पोर्ट्स प्रो कबड्डी सीन 3 के पुणे लेग का प्रीव्यू- मैच कार्ड पर नजर

पुणे। पुणे में प्रो कबड्डी सीजन 3 के पहले हाफ के फाइनल लेग के बाकी मैचों का आयोजन होगा। क्राउड को पुणे लेग में कबड्डी का शानदार खेल देखने को मिलेगा। विशाखापट्टना, बैंगलोर, कोलकाता के बाद प्रो कबड्डी का कारवां महाराष्ट्र की सांस्कृतिक राजधानी पुणे जा पहुंचा है। पुणे के फैन्स सभी टीमों का जोरदार स्वागत करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। पटना पाइरेट्स की टीम टेबल में टॉप पर है और पुनेरी पल्टन टेबल में सबसे नीचे थी। लेकिन कबड्डी के खेल में कभी भी कुछ भी हो सकता है।

पिछले सीजन पुणेरी पल्टन की टीम घर में सिर्फ एक ही मैच जीतने मे कामयाब रही थी। लेकिन इस बार पुणे की नई नवेली टीम अच्छा प्रदर्शन करने की पूरी कोशिश करेगी। टीमों के ज्यादातर खिलाड़ी सैग खेलों में हिस्सा लेने के लिए गुवाहाटी चले गए हैं। ऐसे में सभी टीमों की बैंच स्ट्रैंथ का जबरदस्त टेस्ट होगा। जोकि पुणे की टीम के लिए फायदे का सौदा हो सकता है। पुनेरी पल्टन की टीम ने अपना आगाज पटना पाइरेट्स के साथ किया। इस मैच में पुणे की टीम ने जबरदस्त वापसी करते हुए मैच को ड्रॉ पर खत्म किया। पटना की टीम ने इस सीजन एक भी मैच नहीं गवाया है जबकि पुनेरी पल्टन की हालात शुरुआती मैचों में हार के बाद काफी खस्ता है। पुणे लेग के दूसरे दिन पटना पाइरेट्स का सामना दबंग दिल्ली की टीम से होगा। दिल्ली की टीम के लिए पटना का सामना करना काफी मुश्किल हो सकता है क्योंकि उनके दिग्गज रेडर काशीलिंग अड़गे टीम के साथ नहीं होंगे। काशीलिंग अड़गे सैग खेलों के लिए गुवाहाटी गए हुए हैं।

घायल वन्स अगैन : सनी की कमजोर वापसी

घायल' 1990 की वो सुपरहिट फिल्म जिसका नाम सुनते ही हमारे जहन में तगड़े डॉयलॉग और धमाकेदार एक्शन आते हे इस फिल्म के लिए सनी को ना केवल राष्ट्रीय पुरुस्कार बल्की सितारा हैसियत भी मिली। नब्बे के दशक में उनके नाम के आगे 'माचोमैन' और 'शेर दा पुत्तर शेर' जैसे संपुट भी जोड़े गए पर जितनी अच्छी 'घायल' थी उतना ही खराब इसका सीक्वल है।

ध्यातत्व हे की 'घायल वन्स अगेन' की कहानी के साथ-साथ इसके निर्देशक भी बदले गए। पहले इस फिल्म को पुरानी 'घायल' के निर्देशक राजकुमार संतोषी डायरेक्ट करने वाले थे, लेकिन कुछ मतभेद के चलते वह इस फिल्म के निर्देशन से बाहर हो गए। उसके बाद निर्देशन की जिम्मेदारी राहुल रवैल को दी गई, जिन्होंने बतौर निर्देशक 1983 की सुपरहिट फिल्म 'बेताब' में सनी देओल को लांच किया था। मगर वो भी इस फिल्म से कुछ मतभेद के कारण बाहर हो गए। अंत में सनी देओल ने खुद ही निर्देशन की बागडोर संभाली। ये भी सुनने में आया है की इस फिल्म को बनाते वक्त सनी को अपना ड्रीम स्टूडियो भी फॉयनान्सर्स के पास गिरवी रखना पड़ा।

फिल्म की बात करे तो जहाँ 'घायल' खत्म हुई थी वही से ये शुरू होती है इसमें सनी का किरदार अजय मेहरा 'सत्यकाम' नामक टीवी चैनल का मालिक है। 'सत्यकाम' सनी की मनपसंद फिल्म है जिसमें उनके पिता धर्मेन्द्र ने कमाल का अभिनय किया था। 'घायल वन्स अगैन' दो घंटे की बहुत बोरिंग और उबाऊ फिल्म है और दो घंटे भी इसको देखते हुए बिताना बोझिल हो जाता है। फिल्म में कुछ भी नयापन नहीं है और जो दर्शक पुराने सनी देओल को देखना चाहते है उन्हें सिर्फ निराशा ही हाथ लगेगी। ये एक साधारण फिल्म है जो 5 में से 1 ही स्टार के लायक है लेकिन हर फिल्म के पीछे बहुत मेहनत होती हे और हजारों लोगो का घर भी चलता है इसलिए इस उम्मीद के साथ की सनी जल्द ही अपने पुराने अंदाज में वापसी करेंगे 'घायल वन्स अगैन' की त्रिकाल रेटिंग दो है।

★★ *अजय सिसोदिया*

आयुर्वेद व होमियोपैथी
के अनुभवी
डॉक्टरों द्वारा घर बैठे पायें
उचित परामर्श व दवाईयां

Ayush Samadhaan
Simpler way to reach your doctor

FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE FOR REGISTRATION
www.ayushsamadhaan.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा दिशागोचर पब्लिकेशन 26 बी, प्रेस काम्पलेक्स एम.पी. नगर, जोन-1 से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505, E-mail: parag073@gmail.com (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)